**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक:07.06.2024**

**नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन : 2024-06-07 ( अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसमकारक | 08/06/2024 | 09/06/2024 | 10/06/2024 | 11/06/2024 | 12/06/2024 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मीमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 33.0 | 33.0 | 34.0 | 34.0 | 35.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 21.0 | 21.0 | 22.0 | 22.0 | 23.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%) | 55 | 55 | 55 | 55 | 55 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 25 | 25 | 25 | 25 | 25 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 140 | 140 | 160 | 140 | 160 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 1 | 0 | 1 | 3 |

**सम सारांश/ चेतावनी:**

आगामी सप्ताह में बारिश नहीं होने तथा अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.0-35.0 डिग्री सेल्सियस तथा 21.0-23.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवाएं दक्षिण-पूर्व तथा दक्षिण-दक्षिण-पूर्व से 2-3 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की उम्मीद है। क्षेत्र में शुष्क मौसम रहने की उम्मीद है।

**सामान्य सलाहकार:**

किसान मौसम विज्ञान और बिजली संबंधी डेटा के नियमित अपडेट के लिए क्रमशः गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐपसेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से "मेघदूत" और "दामिनी" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। एनडीवीआई क्षेत्र में अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 07.06.2024 से 13.06.2024 के दौरान बड़ी कमी वाली वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति दर्शाता है। क्षेत्र में शुष्क मौसम का पूर्वानुमान लगाया गया है, इसलिए आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए तथा नमी संरक्षण के उपाय अपनाए जाने चाहिए।

**लघु संदेश सलाहकार:**

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, बारिश की कोई भविष्यवाणी नहीं की गई है तथा मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है, इसलिए आवश्यकतानुसार फसलों में सिंचाई की जानी चाहिए।

**फ़सल विशिष्ट सलाह:**

| फ़सल | अवस्था | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|---|
| धान | बुवाई | घाटी और निचली पहाड़ियों में नर्सरी की तैयारी सिंचित अवस्था में पूरी करनी चाहिए। जेठी धान की सीधी बुआई जून के प्रथम सप्ताह तक कर देनी चाहिए। किसानों को बुआई शाम के समय करनी चाहिए। |
| अरहर | बुवाई/अंकुर विकास | आवश्यकता पड़ने पर फसल की सिंचाई करनी चाहिए तथा नियमित निराई-गुड़ाई करते रहना चाहिए। |
| मक्का | बुवाई | मध्य तथा ऊँची पहाड़ियों में मक्के की बुआई जारी रखी जा सकती है और आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई करनी चाहिए। नमी संरक्षण के लिए मल्चिंग करनी चाहिए। |
| झंगोरा | बुवाई | ऊंची पहाड़ियों में पारंपरिक किस्मों या अधिक उपज देने वाली किस्मों को बोना चाहिए। बुआई के बाद हल्की सिंचाई करनी चाहिए। |
| मंडुआ | बुवाई | ऊंची पहाड़ियों में इन फसलों को दूसरे पखवाड़े में बोया जा सकता है। अधिक उपज देने वाले एवं अच्छी तरह से उपचारित बीजों का उपयोग करना चाहिए। बुआई के बाद हल्की सिंचाई करनी चाहिए। |
| सोयाबीन | बुवाई | मध्यम और निचली पहाड़ियों में बुवाई की जा सकती है। |

**बागवानी विशिष्ट सलाह:**

| बागवानी | अवस्था | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|---|
| टमाटर | पौध | टमाटर के पौधों में निराई-गुड़ाई और यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करें। पौधे को डंडियों की सहायता से खड़ा करें। जिन किसानों के पास पॉलीहाउस है उन्हें टमाटर उगाने की तैयारी कर लेनी चाहिए। |
| बैंगन/शिमला मिर्च | वानस्पतिक | यदि पहाड़ी क्षेत्रों में शिमला मिर्च की पौध की रोपाई एक माह पहले की गई है तो यूरिया की टॉप ड्रेसिंग कर देनी चाहिए, साथ ही नमी संरक्षण के उपाय भी सुनिश्चित कर लें। |
| कद्दू वर्गीय सब्जियों/अन्य खीरे के प्रजातियां | वानस्पतिक/फलदायी | यदि कद्दू परिवार की फसल पर धब्बे या कर्लिंग दिखाई दे रहे हैं, तो ऐसे पौधों को नष्ट कर दें और चूसने वाले कीटों से बचाने के लिए कीटनाशक का छिड़काव करें। फूलों को गिरने से बचाने के लिए मिट्टी की नमी बनाए रखनी चाहिए। |
| फूलगोभी/पत्तागोभी/ ब्रोकली | बुवाई | कोल फसलों की बुआई खेत में पर्याप्त नमी होने पर ही करनी चाहिए। नर्सरी की तैयारी उपचारित बीजों से करनी चाहिए तथा बीजों के बीच उचित दूरी बनाए रखनी चाहिए। |
| आड़ू/पुलम | फल बनना/परिपक्वता | फलों का गिरना कम करने और तापमान बनाए रखने के लिए मिट्टी की नमी को संरक्षित करने के लिए नियमित सिंचाई की जानी चाहिए। आड़ू, प्लम, खुबानी की अगेती किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को बाजार भेजें। |

**पशुपालन विशिष्ट सलाह:**

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | चूंकि मानसून का मौसम आ रहा है, गायें बीमारियों के प्रति संवेदनशील होती हैं, इसलिए समय पर आवश्यक टीकाकरण किया जाना चाहिए। |
| भैंस | पशुओं के लिए अनुकूल वातावरण बनाए रखने की आवश्यकता है जिसके लिए निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखा जाना चाहिए: पशुओं को नियमित रूप से नहलाना आवश्यक है। अत्यधिक गर्मी में न रखें। अच्छे वेंटिलेशन के लिए एग्जॉस्ट पंखे लगाए जाने चाहिए। मच्छरों के काटने से बचने के लिए मच्छरदानी उपलब्ध कराएं। |

**अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:**

| अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) | अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| सामान्य सलाह | पोषक तत्वों के लिए मिट्टी की जांच करायें और उसके अनुसार मिट्टी को पोषक तत्व दे । 20-25 सेमी तक गहरी जुताई करें तथा खेत को समतल बनाये। |